

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक..... ५. ५. २०२० पृष्ठ सं..... २ कॉलम..... २.३

२०२० के जारी

आइडिया को स्टार्टअप तक ले जाने को एबिक ने दी ट्रेनिंग

जागरण संगददाता, हिसार:
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के एबिक सेंटर में
स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए
वेबिनार आयोजित हुआ। जिसमें
आइडिया से स्टार्टअप बनाने के
बारे में छात्रों व किसानों को टिप्पणी
दिए गए। वेबिनार में जाने-माने
स्टार्टअप गुरु अभिषेक त्रिपाठी
और बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु,
फाइनेंस मैनेजर मनीषा मनी, कस्टमर
केयर मैनेजर टिक्कल मंगल शामिल
हुए। स्टार्टअप गुरु अभिषेक ने सबसे
पहला मंत्र यह दिया कि बिना विचार
के कोई भी बिजनेस स्टार्ट नहीं किया
जा सकता। कैसे यह विचार उत्पन्न
हो और बिजनेस के रूप में रूपांतरित
हो, इन बिंदुओं पर अहम चर्चा की
गई। उन्होंने प्रतिभागियों को यह भी
बताया कि कैसे वह अपना बिजनेस
प्रपोजल बनाएं और इन्वेस्टर व
एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के
सामने प्रस्तुत करते हुए किन-किन
बातों का ध्यान रखें। एंटरप्रेन्योरशिप

एबिक सेंटर से स्टार्टअप करें शुरू

कुलपति ग्रो. केपी सिंह ने बताया
कि एबिक के साथ जुड़कर एग्री
स्टार्टअप्स अपने बिजनेस को नए
आयाम दे रहे हैं। विद्यार्थी व किसान
एबिक से जुड़कर कृषि क्षेत्र में अपने
नए स्टार्टअप्स शुरू कर सकते हैं
ताकि युवा अपनी उद्यमिता को अपने
तक सीमित न रखें बल्कि अपने
क्षेत्रों में इसका ज्यादा से ज्यादा
प्रचार व प्रसार करें। इस प्रकार के
वेबिनार सभी युवाओं और उद्यमियों
के लिए रोजगारोन्मुखी व सफल
साबित होते हैं।

क्यों जरूरी है और इस के
क्या-क्या फायदे हैं। इस वेबीनार में
एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की
नोडल अधिकारी प्रोफेसर सीमा रानी
व इनक्यूबेशन की पूरी टीम के साथ-
साथ लगभग 200 किसानों, युवा
साथियों व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब कैसरी
दिनांक..... ५. १०. २०२० पृष्ठ सं..... ३ कॉलम..... ७९

**नवविचार को कैसे एग्री बिजनेस में स्थापित
करें, स्टार्टअप गुरु ने सुझाए मंत्र**

हिसार, 4 मई (ब्यूरो): कोविड-19 के कारण हुए लॉकडाउन की गंभीरता को देखते हुए चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह लगातार ऑनलाइन कार्यशाला व वेबीनार को बढ़ावा दे रहे हैं। ज्ञात रहे कि एबीक के साथ जुड़कर एग्री स्टार्टअप्स अपने बिजनेस को नए आयाम दे रहे हैं। कुलपति के दिशा-निर्देशानुसार एच.ए.यू. में स्थापित एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर लगातार वेबीनार आयोजित करवा रहा है, हाल ही में वेबीनार का आयोजन जाने-माने स्टार्टअप गुरु अभिषेक त्रिपाठी और बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, फाइनेंस मैनेजर मनीषा मनी, कस्टमर केयर मैनेजर ट्रिवकल मंगल ने करवाया। मुख्य वक्ता के रूप में स्टार्टअप गुरु त्रिपाठी ने सबसे पहला मंत्र यह दिया कि बिना विचार के कोई भी बिजनेस स्टार्ट नहीं किया जा सकता और कैसे यह विचार उत्पन्न हो और बिजनेस के रूप में रूपान्तरित हो, इन बिंदुओं पर अहम चर्चा की गई। उन्होंने प्रतिभागियों को यह भी बताया कि कैसे वह अपना बिजनेस प्रपोजल बनाएं और इन्वैस्टर व एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के सामने प्रस्तुत करते हुए किन-किन बातों का ध्यान रखें। इस वेबीनार में एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की नोडल अधिकारी प्रो. सीमा गानी व इनक्यूबेशन की पूरी टीम के साथ-साथ लगभग 200 किसानों, युवा साधियों व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

~~प्रौद्योगिकी भाष्यक~~

दिनांक..... ५. ५. २०२०

पृष्ठ सं..... ५

कॉलम..... १. ३

एचएयू में ऑनलाइन कार्यशाला में एग्रो बिजनेस स्थापित करने के दिए टिप्पणी

युवा उद्यमी अपनी उद्यमिता को अपने तक सीमित न रखें : प्रो. केपी सिंह

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आँनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों को एग्रो बिजनेस स्थापित करने के टिप्पणी दिए गए। एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह लॉकडाउन के कारण कोरोना से बचाव के मद्देनजर लगातार ऑनलाइन कार्यशाला को बढ़ावा दे रहे हैं। ज्ञात रहे कि एबीक के साथ जुड़कर एग्री स्टार्टअप अपने बिजनेस को नए आयाम दे रहे हैं। उन्होंने छात्रों व किसानों से आँदाज किया कि वे एबीक से जुड़कर कृषि क्षेत्र में अपने नए स्टार्टअप शुरू कर

सकते हैं, ताकि युवा उद्यमी अपनी उद्यमिता को अपने तक सीमित न रखें बल्कि अपने क्षेत्रों में इसका ज्यादा से ज्यादा प्रचार व प्रसार करें।

एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर लगातार कार्यशाला आयोजित करवा रहा है। हाल ही में हुए 2-3 मई के सेमिनार का आयोजन ज्ञाने-माने स्टार्टअप गुरु अभिषेक त्रिपाठी और बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, फाइनेंस मैनेजर मनीषा मनी, कस्टमर केयर मैनेजर ट्रिवंकल मंगल ने करवाया। मुख्य वक्ता के रूप में स्टार्टअप गुरु त्रिपाठी ने

सबसे पहला मंत्र यह दिया कि बिना विचार के कोई भी बिजनेस स्टार्ट नहीं किया जा सकता और कैसे यह विचार उत्पन्न हो और बिजनेस के रूप में रूपान्तरित हो, इन बिंदुओं पर अहम चर्चा की गई। उन्होंने प्रतिभागियों को यह भी बताया कि कैसे वह अपना बिजनेस प्रोजेक्ट बनाएं। एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की नोडल अधिकारी प्रो. सीमा रानी व इनक्यूबेशन की पूरी टीम के साथ-साथ लगभग 200 किसानों, युवा साथियों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... अभ्युजाता
दिनांक ५. ५. २०२० पृष्ठ सं ३ कॉलम ४

बिना विचार के कोई भी
बिजनेस नहीं किया जा
सकता स्टार्ट : त्रिपाठी

हिसार (ब्यूरो)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की तरफ से आयोजित वेबिनार में बतौर मुख्य वक्ता जाने-माने स्टार्टअप गुरु अभिषेक त्रिपाठी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सबसे पहला मंत्र यह दिया कि बिना विचार के कोई भी बिजनेस स्टार्ट नहीं किया जा सकता और कैसे यह विचार उत्पन्न हो और बिजनेस के रूप में रूपांतरित हो, इन बिंदुओं पर अद्दम चर्चा की गई।

उन्होंने प्रतिभागियों को यह भी बताया कि कैसे वह अपना बिजनेस प्रणोजन बनाएं और इन्वेस्टर व एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के सामने प्रस्तुत करते हुए किन-किन बातों का ध्यान रखें। बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु ने प्रतिभागियों को बताया कि एंटरप्रेन्योरशिप क्यों जरूरी है और इसके क्या-क्या फायदे हैं। आरकेवीवाई रफ्तार के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर डॉ. आरके झोरड़ ने बताया कि वेबिनार के साथ कुछ केस स्टडी वा प्रैक्टिकल एक्सरसाइज जोड़ दिए जाएं तो इसका अधिक लाभ पा सकते हैं। इस वेबीनार में एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की नोडल अधिकारी प्रोफेसर सीमा रानी व इनक्यूबेशन की पूरी टीम के साथ लगभग 200 किसानों, युवा साथियों व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक ५.५.२०२० पृष्ठ सं २ कॉलम २.६

नीसटी प.ल.स

हरियाणा कृषि विवि में नवविचार को कैसे एग्री बिजनेस में स्थापित करें, स्टार्टअप गुरु ने सुझाए सफलता मन्त्र

मिट्टी पत्ता चूज, हिसार कोडिट 19 के कारण हुए लंकड़ाउन की खेड़ीसार को देखते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के पांच सिंह लगातार अंतिमाइन कार्यवाला व पैदानार को बहुत दे रहे हैं। उन्होंने कि एकोक के साथ चुनकर एग्री स्टार्टअप आपने विजयस को नए आवाम दे रहे हैं। उन्होंने छात्रों व किसानों में आइन किया कि वे एकोक से चुनकर कृषि सेक्टर में अपने नए स्टार्टअप्य सुख कर सकते हैं ताकि कृज उभयों अपनी कृषिमत्ता को अपने तक सीधाप न रखे बल्कि अपने लोगों में उत्पाद ज्ञान वे नहुए प्रसार करें। इस प्रकार के विविधान सभी कृजों और उभयों के लिए रोजगारोन्मुद्दों व सफलता साकित होते हैं।

कुलपति के दिल्ली-निर्दिष्टानुसार एकाधुर वे स्थापित एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन मेंटर लगातार वैज्ञानिक ज्ञानोंवाल करता रहा है, उन्होंने में हुए 2-3 महीं के वैज्ञानिक का भवित्वान जाने-माने स्टार्टअप गुरु



**AGRICULTURE
INCUBATION
CENTRE**

अभियोग विपाकी और विजयेस मैनेजर विक्रम सिंह, फाइनेंस मैनेजर मनोज मरी, कर्टमर केपर मैनेजर ट्रिवेक्टल मैनेजर ने कहा कथा। मूल्य-वाना के बाय में स्टार्टअप्य सुख विपाकी ने सबसे पहला बंध यह दिया कि विवि विचार के कोई भी विजयेस स्टार्ट नहीं किया जा सकता और कैसे वह विचार उत्पन्न हो और

विजयेस के बाय में कानूनीत हो, इन बिंदुओं पर अहम चर्चा की गई। उन्होंने इतिहासियों को यह भी कहा कि कैसे वह अपने विजयेस प्रतिभावितों में संभव होगा विजयेस मैनेजर विक्रम सिंह ने प्रतिभावितों को बताया कि आज के दीप में एन्जुकेशन में कृषिविद्यालय बहुने के बाय वैज्ञानी में भागीदारी पाया जाता ही कहिन हो यह है उन्होंने बताया कि स्टार्टअप्योंकरिता वहोंने जल्दी है और इस के बाय-बाय

संबोधित करें वह विवाप प्रतिभावितों में संभव होगा और विजयेस मैनेजर विक्रम सिंह ने प्रतिभावितों को बताया कि आज के दीप में एन्जुकेशन में कृषिविद्यालय बहुने के बाय वैज्ञानी में भागीदारी पाया जाता ही कहिन हो यह है उन्होंने बताया कि स्टार्टअप्योंकरिता वहोंने जल्दी है और इस के बाय-बाय

प्रयोग है, उन्होंने पह भी बताया कि अगर आज का ताजा उदाहरण देखें तो कैसे कौटिल्य-19 योग्यमण के बहुत भारती में व्यवसाय की उम्मीद में एक लोग वापस आपने यारों को लौट दे रहे हैं। वह प्रयोग कृषि सेक्टर में कृषियों उदाहरणों के लिए एक बहुत बड़ी कौटि का अवधार पैदा करता है।

इसी प्रकार आकेलीयाँ एकाधुर के विविध इन्वेस्टमेंटर जै. जाट के द्वारा ने बताया कि इस तरह के वैज्ञानिक अपने नए व्यवसाय शुरू करने वाले किसान भाई-बहनों व दूजे साथियों के लिए बहुत ही उपयोगी हैं। इस वैज्ञानिक में एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन मेंटर की नीलगी अधिकारी प्रोफेसर मीमा रामी व इन्वेस्टमेंट की पूरी टीम के माध्य-माध्य लगभग 200 किलोमीटर, एका साथियों व विवितियों ने भाग लिया। जै. जीमा रामी ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के पांच सिंह के मार्गदर्शन में एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन मेंटर अपने भी ऐसे वैज्ञानिक का आगामी बदला रहे हैं।

लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

नम्. चौ.

दिनांक ५. ५. २०२०

पृष्ठ सं २

कॉलम ।-४

कुटीर उद्योगों के लिए नई क्रांति का अवसर: विक्रम सिंधु

हिसार/०४ मई/रिपोर्टर

कोविड १९ के कारण हुए लॉकडाउन की गंभीरता को देखते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह लगातार ऑनलाइन कार्यशाला व वेबीनार को बढ़ावा दे रहे हैं। ज्ञात रहे कि एबीक के साथ जुड़कर एग्री स्टार्टअप्स अपने विजनेस को नए आयाम दे रहे हैं। उन्होंने आत्रों व किसानों से आह्वान किया कि वे एबीक से जुड़कर कृषि क्षेत्र में अपने नए स्टार्टअप्स शुरू कर सकते हैं ताकि युवा उद्यमी अपनी उद्यमिता को अपने तक सीमित न रखे बल्कि अपने क्षेत्रों में इसका ज्यादा से ज्यादा प्रचार व प्रसार करें। इस प्रकार के वेबीनार सभी

युवाओं और उद्यमियों के लिए रोजगारोन्मुखी व सफल साक्षित होते हैं। हाल ही में हुए २-३ मई के वेबीनार का आयोजन जाने-माने स्टार्टअप गुरु अभियंक त्रिपाठी और विजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, फाइनेंस मैनेजर मनीषा मनी, कस्टमर केयर मैनेजर ट्रिवंकल मंगल ने करवाया। मुख्य वक्ता के रूप में स्टार्टअप गुरु त्रिपाठी ने सबसे पहला मंत्र यह दिया कि विना विचार के कोई भी विजनेस स्टार्ट नहीं किया जा सकता और कैसे यह विचार उत्पन्न हो और विजनेस के रूप में रूपान्तरित हो, इन विद्युओं पर अहम चर्चा की गई। उन्होंने प्रतिभागियों को यह भी बताया कि कैसे वह अपना विजनेस प्रयोग बनाएं और इन्वेस्टर व

एग्रीविजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के सामने प्रस्तुत करते हुए किन-किन बातों का ध्यान रखें। उदाहरण के तौर पर उन्होंने एग्री विजनेस से संबंधित कई नए विचार प्रतिभागियों से साझा किए और विजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु ने प्रतिभागियों को बताया कि आज के दौर में एजुकेशन में कंपटीशन बढ़ने के कारण नौकरी में भागीदारी पाना बड़ा ही कठिन हो गया है उन्होंने बताया कि एंटरप्रेनोरशिप क्यों ज़रूरी है और इसके क्या-क्या फायदे हैं, उन्होंने यह भी बताया कि अगर आज का ताजा उदाहरण देखें तो कैसे कोविड-१९ संक्रमण के चलते शहरों में व्यवसाय की उम्मीद में गए लोग चापस अपने घरों को लौट रहे हैं। यह प्रयोग कृषि क्षेत्र में

कुटीर उद्योगों के लिए एक नई क्रांति का अवसर पैदा करता है। इसी प्रकार आरकेवीवाई रफ्तार के प्रिसिपल इन्वेस्टिगेटर डॉ. आरके झोरड़ ने बताया कि इस तरह के वेबीनार अपना नया व्यवसाय शुरू करने वाले किसान भाई-बहनों व युवा साथियों के लिए बहुत ही उपयोगी है। उन्होंने बताया कि वेबीनार के साथ-साथ कुछ केस स्टडी या ऐक्टिव क्ल एक्सरसाइज जोड़ दिए जाएं तो इसका अधिक लाभ पा सकते हैं। इस वेबीनार में एग्रीविजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की नोडल अधिकारी प्रोफेसर सीमा रानी व इनक्यूबेशन की पूरी टीम के साथ-साथ लगभग 200 किसानों युवा साथियों व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... नेप्टून क्रूज़ (प्रोफेरीटी).....
दिनांक ५. ५. २०२० पृष्ठ सं ४ कॉलम २.३

हकृति में एग्री बिजनेस स्थापित करने को स्टार्टअप गुरु ने सुझाए सफल मंत्र

हिसार 4 अप्रैल (देशबन्धु)। कोविड 19 के कारण हुए लोक डाउन की गंभीरता को देखते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह लगातार ऑनलाइन कार्यशाला व वेबीनार को बढ़ावा दे रहे हैं। ज्ञात रहे कि एबीक के साथ जुड़कर एग्री स्टार्टअप्स अपने बिजनेस को नए आयाम दे रहे हैं। उन्होंने छात्रों व किसानों से आह्वान किया कि वे एबीक से जुड़कर कृषि क्षेत्र में अपने नए स्टार्टअप्स शुरू कर सकते हैं ताकि युवा ऊद्यमी अपनी उद्यमिता को अपने तक सीमित न रखे बल्कि अपने क्षेत्रों में इसका ज्यादा से ज्यादा प्रचार व प्रसार करें। इस प्रकार के वेबिनार सभी युवाओं और उद्यमियों के लिए रोजगारोन्मुखी व सफल साबित होते हैं। कुलपति के दिशा-निर्देशानुसार एचएयू में स्थापित एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर लगातार वेबीनार आयोजित करवा रहा है। हाल ही में हुए 2-3 मई के वेबीनार का आयोजन जानेमाने स्टार्टअप गुरु अभिषेक त्रिपाठी और बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, फाइनेंस मैनेजर मनीषा मनी, कस्टमर केयर मैनेजर टिक्किंगल मंगल ने करवाया। मुख्य वक्ता के रूप में स्टार्टअप गुरु त्रिपाठी ने सबसे पहला मंत्र यह दि

